



4डू किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित



वर्ष: 1 अंक: 336 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शनिवार 23 सितम्बर 2023 <http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

हरदीप सिंह निजर: ऐ कॉर्नर नोटिस, फिर भी कनाडा क्यों था नेहरूबान? अब भी बना है नागरिकता देने का दृश्य

नई दिल्ली। कनाडा में मारे गए खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निजर के बारे में भारतीय प्रशासन ने समय-समय पर कनाडा सरकार को जानकारी दी थी और बताया था कि उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी है, लेकिन कनाडा प्रशासन ने कभी भी निजर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि उसे गलत तर्थों के आधार पर कनाडा की नागरिकता दी गई थी। भारतीय रिकॉर्ड के मुताबिक हरदीप सिंह निजर के खिलाफ भारत में हत्या और अन्य आतंकवादी गतिविधियों के लगभग एक दर्जन मामले दर्ज थे। अपने खिलाफ पुलिस का कसता शिकंजा देखकर हरदीप सिंह साल 1997 में रवि शर्मा नाम के फर्जी पासपोर्ट का उपयोग कर भारत से भाग गया था।

बाद में हरदीप सिंह कनाडा पहुंच गया जहाँ उसने कनाडा में शरण के लिए यह कहते हुए आवेदन किया कि उसे एक विशेष वर्ग का होने के कारण भारत में प्रतिवादित किया जा रहा है। उसकी मनमहंत कहानी के आधार पर तकालीन कनाडा प्रशासन ने उसे नागरिकता देने से इनकार कर दिया था। दिलचस्प है कि नागरिकता का दावा खारिज होने के बाद निजर ने 11 दिन बाद फिर कनाडा की नागरिकता के लिए आवेदन किया। इस बार उसने आवेदन का आधार दिखाया था कि उसने वहाँ की एक महिला से शादी की है।

निजर को रहस्यमयी हालात में कनाडा की नागरिकता मिली

कनाडा के तकालीन अधिकारियों ने उसका यह दावा भी खारिज कर दिया थ्योकि जिस महिला से वह शादी करने की बात कह रहा था वह एक अलग आदमी से शादी करने के आधार पर कनाडा पहुंची थी। इसके बाद कई सालों बाद अचानक निजर को रहस्यमय परिस्थितियों में कनाडा की नागरिकता दे दी गई। आखिर वह कौन सी परिस्थितियों थीं, इसके बारे में कभी भी कनाडा सरकार ने भारत सरकार को बताया तक नहीं।

पाकिस्तान को धफेलकट भाइता ODI ऐंकिंग में बना नंबर वन, पहली बार तीनों फॉर्मेंट में टॉप पर पहुंची टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को मोहली बनडे में हराकर अपने नाम बड़ी उपलब्धि दर्ज कर ली है। टीम इंडिया आईसीसी की बनडे रैंकिंग में पहले नंबर पर पहुंच गई है। भारतीय टीम ने इस दौरान पाकिस्तान को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया। टीम इंडिया इस समय कि केटे के तीनों फॉर्मेंट में नंबर बन है। यह पहला मौका है जब भारतीय टीम एक समय में टेस्ट, बनडे और टी20 तीनों फॉर्मेंट में आईसीसी की रैंकिंग में टॉप पर विराजमान है।

भारतीय टीम 116 रेटिंग घ्याउंड के साथ बनडे रैंकिंग में पहले नंबर पर पहुंची है। जबकि पाकिस्तान की टीम 115 रेटिंग घ्याउंड के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम तीसरे नंबर पर बरकरार है। पहला बनडे हासिल के बाद कंगारू टीम की रेटिंग घ्याउंड में 2 अंक का नुकसान उठाना पड़ा है। इससे



पहले भारत टेस्ट और टी20 ऐंकिंग में नंबर बन था।

शामी के पंच के बाद भारत के 4 बैटर ने खेली जड़ी फिफ्टी मोहम्मद शामी के 5 विकेट हॉल के बाद शुभमन गिल, ऋष्टुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत ने पहले बनडे में 8 गेंदें शेष रहते थे।

गिल और गायकवाड़ ने जोड़े 142 रन

भारत के लिए ओपनर शुभमन गिल (74) और ऋष्टुराज सिंहराव को इंद्रेवर में खेला जाएगा।

आतंकवाद के दिवालाफ क्वाड देश एकजुट, एकशन प्लान भी तैयार, जानें क्या बोले जायशंकर?

न्यूयार्क, अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित बड़े देशों ने शुक्रवार को आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिसमें “आतंकवादियों की सीमा पर आवाजाही और आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क और सुरक्षित पनाहगाहों का मुकाबला करना शामिल है। हमप्रे पूरे देश और पूरे अंतर्राष्ट्रीय सम्बद्धीय के प्रवासों के माध्यम से आतंकवादियों को अंतर्राष्ट्रीय और सीमा पर आवाजाही को रोकना और आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क और सुरक्षित पनाहगाहों का मुकाबला करना शामिल है। हमप्रे एक व्यापक और सुरक्षित पनाहगाहों की आवश्यकता पर जोर दिया।

जायशंकर ने जापान की विदेश मंत्री से की मुलाकात
विदेश मंत्री एस. जायशंकर ने शुक्रवार को यहाँ जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और जापान के बीच विदेश रणनीतिक तथा



विदेश के साझेदारी तथा द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने के तरीकों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वरिष्ठ संसद कामिकावा (70) ने इस महाने का शुरुआत में कैविनेट फेरबदल में जापानी विदेश मंत्री के रूप में योशिमासा हवाशी का स्थान लिया था।

जायशंकर ने ‘एक्सप’ पर कहा, “शूएनजीए८ में जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा से मिलकर खुशी हुई।” उन्होंने पोट किया, “हमारी विदेश रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी पर दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान किया गया। हमारे क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग और जायशंकर ने एक व्यापक और सुरक्षित दृष्टिकोण को पूरा करने पर चर्चा की गई।”

क्वाड प्रतिबद्धताओं को पूरा करने पर चर्चा

इससे पहले, जायशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र में अपनी भागीदारी करते हुए क्वाड सहयोगियों के साथ चर्चा की, उन्होंने कहा, हाव्हार्ड के में जापानी विदेश मंत्री योको कामिकावा का स्वागत किया गया। हिंदू-प्रशासन क्षेत्र में नियम-अधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करने और क्वाड प्रतिबद्धताओं को पूरा करने पर चर्चा की गई।

आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

जायशंकर ने जापान की विदेश मंत्री से की मुलाकात

विदेश मंत्री एस. जायशंकर ने शुक्रवार को यहाँ जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और जापान के बीच विदेश रणनीतिक तथा



को रेड कॉर्नर नोटिस की पूरी जानकारी समेत हरदीप सिंह के खिलाफ फिर से पूरी जानकारी मुहैया कराई।

दिलचस्प है कि रेड कॉर्नर नोटिस होने के बावजूद कनाडा प्रशासन ने निजर को हासिल करने के लिए एक दूसरे नोटिस तक जारी नहीं किया। हरदीप सिंह की इसी साल जून में कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद वहाँ की व्यवस्था में शामिल हो गया था।

प्रधानमंत्री 23 सितंबर को नई दिल्ली में 'अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन 2023' का उद्घाटन करेंगे

देश में पहली बार सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

सम्मेलन का विषय: ‘न्याय प्रदान प्रणाली में उभरती चुनौतियां। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 सितम्बर, 2023 को सुबह 10 बजे विजयन भवन, नई दिल्ली में ‘अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन 2023’ का उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 सितम्बर, 2023 का उद्घाटन करेंगे।

का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित लोगों को भी संबोधित करेंगे। न्याय प्रदान प्रणाली में उभरती चुनौतियां। विषयक अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन 2023 का आयोजन बार काउंसिल ऑफ इंडिया कर रहा है। यह आयोजन 23-24 सितम्बर, 2023 को किया जाएगा। सम्मेलन का विषय: ‘न्याय प्रदान प्रणाली में उभरती चुनौतियां।’ सम्मेलन का विषय: ‘न्याय प्रदान प्रणाली में उभरती चुनौतियां।’

का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित लोगों को भी संबोधित करेंगे। न्याय प्रदान प्रणाली में उभरती चुनौतियां। विषयक अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन 2023 का आयोजन बार काउंसिल ऑफ इंडिया कर रहा है। यह आयोजन 23-24 सितम्बर, 2023 को किया जाएगा। सम्मेलन का विषय: ‘न्याय प्रदान प्रणाली में उभरती चुनौतियां।’

का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित लोगों को भी संबोधित करेंगे। न्याय प्रदान प्रणाली में उभरती चुनौतियां। विषयक अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन 2023 का आयोजन बार काउंसिल ऑफ इंडिया कर रहा है। यह आयोजन 23-24 सितम्बर, 2023 को किया जाएगा। सम्मेलन का विषय: ‘न्याय प्रदान प्र

जस्टिन ट्रॉपो का दिमागी दिवालियापन

भारत और कनाडा के राजनयिक संबंधों में गहरी द्वारा।

ਕਨਾਡਾ ਪਾਕਿਸ਼ਤਾਨ ਕੀ ਰਾਹ ਪਰ।

दैनिक समाज जागरण

कनाडा के प्रधानमंत्री जिस्टिन टूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निजर की हत्या का भारत सरकार पर आरोप लगाकर वैश्विक राजनीति में एक भूचाल ला दिया है। इस बयान के साथ उन्होंने अपने दिमागी दिवालियापन का सबूत भी दे दिया है और यह साबित कर दिया है कि भारत जैसे देश से अपने संबंध खुराब कर वे अभी भी अपरिपक्व राजनीतिज्ञ हैं। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निजर 17 साल से अवैध रूप से कनाडा में रह रहे थे और भारत द्वारा उसे आतंकवादी घोषित करते ही कनाडा ने उसे नागरिकता प्रदान कर दी थी। कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत पर उसकी हत्या का आरोप लगाकर यह कथास लगाया था कि उसे अमेरिका ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया तथा नाटो देश का समर्थन मिलेगा जिससे वह आतंकवादियों को शरण देने की जबाब देही से बच सकेंगे पर वॉशिंगटन पोस्ट की खबरों के अनुसार फाइव एलायंस यानी अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड ने उसके इस आरोप से किनारा कर लिया और कोई समर्थन नहीं दिया है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री वैश्विक राजनीति में अलग-अलग पड़ गए हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री के सत्ताधारी गठबंधन में भी दरारें पड़ गई हैं लिबरल पार्टी के कई सांसदों ने भारत से संबंध बनाए रखना पक्ष में बयान दिए हैं। उनके ही मंत्री हरजीत सज्जन ने बयान देकर कहा है की कनाडा को भारत से रिश्ते तल्ख कर बनाने की जरूरत नहीं और कनाडा की प्रथम हिंदू कैबिनेट मंत्री अनीता आनंद ने भी प्रधानमंत्री को अत्यंत विवेक से कम लेने की सलाह दी है। यह बात अत्यंत महत्वपूर्ण है की कनाडा नाटो देश का सदस्य भी है पर नाटो देश ने भी उससे इस मामले में किनारा कर लिया है। कनाडा विगत कई सालों से खालिस्तानी आतंकवादियों को समर्थन देकर पाकिस्तान की राह में निकल पड़ा है। खालिस्तानी आतंकवादियों को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई, एस, आई सीधा समर्थन देकर उन्हें फंडिंग कर रही है इस तरह कनाडा पाकिस्तान और खालिस्तान आतंकवादियों का एक त्रिगुट बन गया है जो वह भारत विरोधी हरकतों को कनाडा तथा भारत में अंजाम देने में लगा हुआ है। कनाडा में वर्तमान में 9 आतंकवादी संगठन एसे हैं जो सक्रिय रूप से भारत को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं और भारतीय दूतावास तथा अधिकारियों को सीधे तौर पर धमक भी रहे हैं। इन संगठनों का सीधा संबंध खालिस्तान आतंकवाद, ड्रग तथा मानव

गर्विष्ठा नाल गव्होवा

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (जन्म: 15 सितम्बर, 1927; मृत्यु: 23 सितम्बर, 1983) प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार थे। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 'तीसरे सप्तक' के महत्वपूर्ण कवियों में से एक थे। कविता के अतिरिक्त उन्होंने कहानी, नाटक और बाल साहित्य भी रचा। उनकी रचनाओं का अनेक भाषाओं में अनुवाद भी हुआ। आकाशवाणी में सहायक निमातां; दिनमान के उपसंपादक तथा पराग के संपादक रहे। यद्यपि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का साहित्यिक जीवन काव्य से प्रारंभ हुआ तथापि ह्याचरण और चरखेह स्तम्भ में दिनमान में छापे आपके लेख विशेष लोकप्रिय रहे। सन् 1983 में कविता संग्रह सैंकियों पर एक दोले द्विया सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

खूटया पर टग त
को साहित्य अव

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का जन्म 15 सितंबर, 1927 को विश्वेश्वर दयाल के घर हुआ। फलतः सर्वेश्वर जी की आर्थिक शिक्षा-दीक्षा भी जिला बस्ती, उत्तर प्रदेश में ही हुई। बचपन से ही वे विद्रोही प्रकृति के थे। उनकी रचना तथा पत्रकारिता में उनका लेखन इसकी बानी पेश करता है। इसी कारण जब सर्वेश्वर जी की माँ का तबादला बस्ती से बांसगांव, गोरखपुर और फिर वाराणसी हो गया। सर्वेश्वर भी अध्ययन के लिए अपनी माँ के साथ वाराणसी चले गए। 1943 में उन्होंने वाराणसी के कर्वीस कॉलेज से इन्टरमीडियट की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन 1944-45 में आर्थिक विपन्नता और बहन की शादी हेतु पैसा एकत्र करने हेतु सर्वेश्वर ने पदार्ड छोड़ दी।

विशेष सत्र का तोहफा : नाई शक्ति वंदन कानून

दैनिक समाज जागरण

नवदुग्गा उत्तर के पहले ही संसद का विशेष सत्र देश की महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का कानून बनाने के साथ समाप्त हो गया। ये विशेष सत्र का तोहफा है देश की महिलाओं के लिए। ये सरकारी तोहफा नहीं बल्कि देश कि और से दिया गया तोहफा है। अब बारी है राजनीतिक दलों की और से महिलाओं के सामने इस झुनझुने को बजाने की। जो जितनी जोर से ये झुनझुना बजायेगा, वो उतना ज्यादा महिलाओं का समर्थन हासिल करेगा। दरअसल इस कानून का श्रेय अकेले सत्तारूढ़ दल नहीं ले सकता, क्योंकि ये कानून संसद की आम राय से यानि सर्व सम्मति से बना है। देश में अदावत की राजनीति के इस युग में सर्वसम्मति निश्चित ही एक बड़ी उपलब्धि है। ये कानून उस नारियल को फोड़ने जैसा है जिसे चार महाबली सरकारों ने तोड़ने के लिए 11 बार किये तब कहीं इसमें से मुटुजल निकला।

सत्तारूढ़ भाजपा ने अपनी खिसकती जमीन बचने के लिए जितने भी मिसाइल छोड़े वे एक के बाद एक फुस्स होते गए। यहां तक की सनातन पर हमला और जी-२० की कथित सफलता भी काम नहीं आई, क्योंकि ये दोनों मुद्दे जितना के गले से नीचे उतरे ही नहीं। ऐसे में हारकर सरकार और सरकारी पार्टी को संसद का विशेष सत्र आहूत कर महिला आरक्षण विधेयक को देश के सामने लाना पड़ा। सरकार विधेयक में नया कुछ जोड़ नहीं सकी इसलिए इस विधेयक का नाम ही बदल दिया गय। लेकिन नाम बदलने से मकसद तो नहीं बदलता। सरकार का दाव था की चुनावी मौसम में विपक्ष इस विधेयक को लेकर उलझ जाएगा, किन्तु ऐसा हुआ

कि गले का कास नहीं बन पाना। कांग्रेस ने तो विशेष सत्र शुरू होने से पहले ही सरकार को पात्र लिखकर इस विधेयक को लाने कीमांग रख दी थी। खुद कांग्रेस की श्रीमती सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री जी को इस बाब्ड पात्र लिखा था।

अब जब एक विकलांग विधेयक संसद में पारित हो गया है तो सरकार और सरकारी पार्टी के हाथ से इसका श्रेय भी जाता रहा। अब इस विधेयक को कानून बनाने का श्रेय सभी दलों को देना होगा, यदि नहीं दिया जाएगा तो सरकार की बेईमानी जितना के सामने आ जाएगी। जहाँ तक सबाल सरकारी पार्टी की ईमानदारी का है तो इस बारे में मुझे कुछ कहना नहीं है, क्योंकि देश इस बात को लेकर पूरी तरह वाकिफ है। सरकार ने पिछले ९ साल में किस तरह से अपनी ईमानदारी का प्रदर्शन किया है वो किसी से छिपा नहीं है सरकार ने जितना से इस कालखंड में जो कहा सो किया नहीं और जो नहीं कहा वो सब किया। अच्छे दिनों की बात का उल्लाना देना भी अब जितना ने छोड़ दिया है, क्योंकि सरकार के कान पर जून ही नहीं रेंगती।

सरकार और सरकारी पार्टी के लिए ये मौका है कि वो इस कथित उपलब्धि के लिए नेहरू-गांधी खानदान के सदस्यों की ही तरह बेशर्मी का प्रदर्शन करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के गले में 'भारत - रत' का तमगा भी डाल ही दे। पता नहीं फिर ये मौका हाथ में आये या न आये। हालाँकि सरकारी पार्टी भाजपा का ख्वाब 2047 तक देश की सत्ता में रहने का है। ख्वाब देखना कोई अपराध नहीं है। भाजपा को इस मामले में हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

सजावा होगा, लाकिन उसका ख्वाब भी एक अरसे बाद टूटा। ख्वाब वैसे भी टूटने के लिए होते हैं। बहुत कम ख्वाब ऐसे होते हैं जो साकार हो पाते हैं। नारी शक्ति वंदन विधेयक को तो पारित होना ही था, लेकिन अब असली अग्निपरीक्षा सभी राजनितिक दलों की है कि वे कानून लागू होने की प्रतीक्षा किये बिना पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ ही अगले आम चुनाव में बिना किसी कानूनी प्रवाधान के ही 33 फीसदी महिलाओं को अपना उम्मीदवार बनाकर दिखाएँ। कानून को अमल में आने के लिए परिसीधन और जनगणना का इन्तजार क्या करना? अब बारी राजनितिक दलों में काम करने वाली महिलाओं की भी है कि वे अपने-अपने दल से अपना-अपना हिस्सा मारें और जो आनाकानी करे उसकी 'कान-कुच्ची' कर डालें। अन्यथा थोथा चना घना बजेगा ही।

आजादी के अमृतकाल में सियासत यदि देश जुमलेबाजी से मुक्ति के खिलाफ भी संघर्ष का श्रीगणेश कर ले तो बेहतर है। इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की भी जरूरत नहीं ह। सब जानते हैं कि जुमलेबाजी ने इस देश का बहुत नुकसान किया है देश रोज नए कानून बनाता, बिगड़ता है इसलिए ये मौका है कि एक ऐसा कानून भी बनाया जाये जिसमें 'जुमलेबाजी' को गैर जमानती और जघन्य अपराध घोषित कर इसकी सजा आजन्म चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध और जुमार्ना दोनों हों। राजनीति से जिस दिन जुमलेबाजी का खाता हो जाएगा आप तय मानिये देश की राजनीती ही नहीं देश की तस्वीर भी बदल जाएगी।

जनादेन से डरत है जर न जना - जनादेन से। नेताओं को किसी से डर लगता ही नहीं है। इतने निर्द नेता मैंने दुनिया भर में नहीं देखे। लोग भगवान से न डरें, जनता से न डरें लेकिन कम से कम अपने जमार यानि अंतरात्मा से तो भय खाएं, किन्तु इनके भीतर अब आत्मा भी नहीं है जो इन्हें डर सके। देश को इस तरह के आत्माविहीन, निर्दयी नेताओं से मुक्ति चाहिए। देश की नवी पीढ़ी और अब आधे आबादी यानि देश की महिलाओं का दायित्व है कि वे ऐसे निर्मम नेताओं को चिन्हित करें और उन्हें राजनीति से बाहर का दरवाजा दिखाएँ। नारी शक्ति वंदन विधेयक के संसद में पारित होने से होंसे -फूले फिर रहे नेताओं से किसी ने ये नहीं पूछा कि इस कानून के बाद भी क्या देश की गरीब महिलायें देश की बेहद मंहगी हो चुकी चुनाव प्रक्रिया में हिस्सेदारी कर पाएंगी? या ये कानून भी खानदानों की महिलाओं के लिए संसद की सीढ़ी बनकर रह जाएगा। नारी शक्ति वंदन कानून पर अमल के लिए ये भी आवश्यक है कि चुनावों का खर्च बांधा जाये ताकि एक आम अहिला भी इस प्रक्रिया में भाग ले सकें। अन्यथा वो ही कहावत चरितार्थ हो जाएगी कि - 'हाथ न मुठी-खुरखुरा उठी।' नारी शक्ति की वंदना के लिए कानून बनाने के साथ ही संसद का आंगन सीधा कीजिये ताकि लोकतंत्र की राधा वहां जमकर नाच सके, झूम सके। देश की महिलाओं को एक बार फिर से बधाइयाँ और शुभकामनाएं।

A portrait painting of Rabindranath Tagore, showing him from the chest up, wearing a dark shirt. He has dark hair and is looking slightly to the right of the viewer.

रामधारी सिंह 'दिनकर' (जन्म: 23 सितंबर, 1908, बिहार; मृत्यु: 24 अप्रैल, 1974, तमिलनाडु) हिन्दौ के प्रसिद्ध लेखक, कवि एवं निबंधकार थे। 'राष्ट्रकवि दिनकर' आधुनिक युग के श्रेष्ठ वीर रस के कवि के रूप में स्थापित हैं। उनको राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत, क्रातिपूर्ण संघर्ष की प्रेरणा देने वाली ओजस्वी कविताओं के कारण असीम लोकप्रियता मिली। दिनकर जी ने इतिहास, दर्शनशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पढाई पटना विश्वविद्यालय से की। साहित्य के रूप में उन्होंने संस्कृत, बांग्ला, अंग्रेजी और उर्दू का गहन अध्ययन किया था।

पर इसमें सन्देह नहीं कि हिन्दी काव्य जगत पर छाये छायावादी कुहासे को काटने वाली शक्तियों में दिनकर की प्रवाहमयी, ओजस्विनी कविता के स्थान का विशिष्ट महत्व है। दिनकर छायावादेतर काल के कवि हैं, अतः छायावाद की उपलब्धियाँ उन्हें विरासत में मिलीं पर उनके काव्योत्कर्ष का काल छायावाद की रंगभरी सन्ध्या का समय था।

पर धारा को आगे बढ़ाने में दोनों का अस्तित्व अपेक्षित और अनिवार्य था। दिनकर अपने को द्विवेदी युगीन और छायावादी काव्य पद्धतियों का वारिस मानते थे। उन्हीं के शब्दों में "पन्त के सपने हमारे हाथ में आकर उतने वायवीय नहीं रहे, जितने कि वे छायावाद काल में थे," किन्तु द्विवेदी युगीन अभिव्यक्ति की शुभ्रता हम लोगों के पास आते-जाते कुछ रंगीन अवश्य हो गयी। अभिव्यक्ति की स्वच्छन्दता की नयी विरासत हमें आप से आप प्राप्त हो गयी।

आत्म परीक्षण

ਅਮਧਾਈ ਸਿੰਹ 'ਦਿਨਕਾਰ'



A portrait of Sambhu Thakur, a middle-aged man with dark hair and a prominent mustache. He is dressed in a light-colored suit jacket over a blue shirt and a patterned tie. The background is slightly blurred, showing other people and what might be a stage or event setting.

वे बस्ती के राजकीय हाईस्कूल में नवीं कक्षा में पढ़ रहे थे, राजनीतिक चुहलबाजी के कारण उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया। फिर सर्वेश्वर को एंग्लो संस्कृत हाईस्कूल, बस्ती के प्रधानाचार्य श्री चक्रवर्ची ने शरण दी। इसी विद्यालय से सर्वेश्वर जी ने 1941 में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस सबके बीच बस्ती का ग्राम्य परिवेश, आंचलिकता, शहर के किनारे बहने वाली कुआनों नदी, भूजैनिया का पोखरा आदि प्रतीक सर्वेश्वर के भोले मन को प्रभावित करते रहे। माटी की यह महक तथा जीवन के संत्रासों को वे तजिन्दगी नहीं भूले।

शिक्षा के साथ नाकरा
सर्वेश्वर जी के पिता विश्वेश्वर दयाल जी ने बड़ी मेहनत से मालवीय रोड स्थित अनाथालय के पास एक छोटा सा घर बनवा लिया। इसी नए घर में सर्वेश्वर के छोटे भाई एवं छोटी बहन का जन्म हुआ। इस दौरान सर्वेश्वर जी की माँ का तबादला बस्ती से बांसगांव, गोरखपुर और फिर वाराणसी हो गया। सर्वेश्वर भी अध्ययन के लिए अपनी माँ के साथ वाराणसी चले गए। 1943 में उन्होंने वाराणसी के क्वींस कॉलेज से इन्टरमीडियट की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन 1944-45 में आर्थिक विपन्नता और बहन की शादी हेतु पैसा एकत्र करने हेतु सर्वेश्वर ने पढ़ाई छोड़ दी।

शिक्षा संस्कृत के एक पंडित के पास अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्रारंभ करते हुए दिनकर जी ने गाँव के 'प्राथमिक विद्यालय' से प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की एवं निकटवर्ती बोरो नामक ग्राम में 'राष्ट्रीय मिडिल स्कूल' जो सरकारी शिक्षा व्यवस्था के विरोध में खोला गया था, में प्रवेश प्राप्त किया। यहीं से इनके मनोमस्तिष्ठ में राष्ट्रीयता की भावना का विकास होने लगा था। हाई स्कूल की शिक्षा इन्होंने 'मोकामाघाट हाई स्कूल' से प्राप्त की। इसी बीच इनका विवाह भी हो चुका था तथा ये एक पुत्र के पिता भी बन चुके थे। [1] 1928 में मैट्रिक के बाद दिनकर ने पटना विश्वविद्यालय से 1932 में इतिहास में बी. पी. अँगनर्स किया।

रामधारी सिंह 'दिनकर'
पटना विश्वविद्यालय से बी. ए. ऑनर्स

पर इसमें सन्देह नहीं कि हिन्दी काव्य जगत पर छाये छायावादी कुहासे को काटने वाली शक्तियों में दिनकर की प्रवाहमयी, ओजस्विनी कविता के स्थान का विशिष्ट महत्त्व है। दिनकर छायावादोत्तर काल के कवि हैं, अतः छायावाद की उपलब्धियाँ उन्हें विरासत में मिलीं पर उनके काव्योत्कर्ष का काल छायावाद की रंगभरी सन्ध्या का समय था।

द्विवेदी युगीन स्पष्टा
कविता के भाव छायावाद
के उत्तरकाल के निष्ठ्रभ
शोभादीपों से सजे-सजाये
कक्ष से ऊब चुके थे, बाहर की मुक्त वायु
और प्राकृतिक प्रकाश और चाहतेताप का
संस्पर्श थे। वे छायावाद के कल्पनाजन्य
निर्विकार मानव के खोखलेपन से परिचित
हो चुके थे, उस पार की दुनिया के अलभ्य
सौन्दर्य का यथेष्ट स्वप्न दर्शन कर चुके थे,
चमचमाते प्रदेश में संवेदना की मरीचिका
के पाँछे दौड़ते थक चुके थे, उस लाक्षणिक
और अस्वाभिक भाषा शैली से उनका जी
भर चुका था, जो उन्हें बार-बार अर्थ की
गहराइयों की झलक सी दिखाकर हल
चुकी थी। उन्हें अपेक्षा थी भाषा में द्विवेदी
युगीन स्पष्टा की, पर उसकी शुष्कता की
नहीं, व्यक्ति और परिवेश के वास्तविक
संस्पर्श की, सहजता और शक्ति की।
'बच्चन' की कविता में उन्हें व्यक्ति का
संस्पर्श मिला, दिनकर के काव्य में उन्हें
जीवन समाज और परिचित परिवेश का
संस्पर्श मिला। दिनकर का समाज व्यक्तियों
का समूह था, केवल एक राजनीतिक तथ्य

द्विवेदी युग और छायावाद
आरम्भ में दिनकर ने छायावादी रंग में कुछ कविताएँ लिखीं, पर जैसे-जैसे वे अपने स्वर से स्वयं परिचित होते गये, अपनी काव्यानुभूति पर ही अपनी कविता को आधारित करने का आत्म विश्वास उनमें बढ़ता गया, वैसे ही वैसे उनकी कविता छायावाद के प्रभाव से मुक्ति पाती गयी पर छायावाद से उड़ने जो कुछ विरासत में मिला था, जिसे वे मनोनुकूल पाकर अपना चुके

फणीश्वरनाथ रेणु (सबसे बाएँ) के साथ
रामधारी सिंह 'दिनकर' (बोलते हुए)
उनकी काव्यधारा जिन दो कुलों के बीच
में प्रवाहित हुई, उनमें से एक छायावाद था।
भूमि का ढलान दूसरे कुल की ओर था,

धारा को आगे बढ़ाने में दोनों का स्थिति अपेक्षित और अनिवार्य था। नकर अपने को द्विवेदी युगीन और वायादी काव्य पद्धतियों का वारिस मानते हुए। उन्हीं के शब्दों में "पन्त के सपने हमारे अथ में आकर उतने वायवीय नहीं रहे, उतने कि वे छायावाद काल में थे," किन्तु द्विवेदी युगीन अभिव्यक्ति की शुभ्रता हम अगांगों के पास आते-जाते कुछ रंगीन वश्य हो गयी। अभिव्यक्ति की अच्छन्दता की नयी विरासत हमें आप से प्राप्त हो गयी।

नकर ने अपने कृतित्व के विषय में
आधिक स्थानों पर विचार किया है।
भवतः हिन्दी का कोई कवि अपने ही
विकर्म के विषय में दिनकर से अधिक
न्तन व आलोचना न करता होगा। वह
नकर की आमरति का नहीं, अपने कवि-
र्म के प्रति उनके दायित्व के बोध का
गान है कि वे समय-समय पर इस प्रकार
उत्तम परीक्षण करते रहे। इसी कारण
धिकतर अपने बारे में जो कहते थे, वह
ही होता था। उनकी कविता प्रायः
यावाद की अपेक्षा द्विवेदी युगीन स्पष्टता,
माद गुण के प्रति आस्था और मोह, अतीत
प्रति आदर प्रदर्शन की प्रवृत्ति, अनेक
न्दुओं पर दिनकर की कविता द्विवेदी
यीन काव्यधारा का आधुनिक ओजस्वी,
तिशील संस्करण जान पड़ती है। उनका
प्रभले ही सर्वदा, सर्वथा 'हुंकार' न बन
ता हो, 'युंजन' तो कभी भी नहीं बनता।

विराधो नहीं, बल्कि प्रेरक था। -हजारा
दाद द्विवेदी
नकर जी ने श्रमसाध्य जीवन जिया।
उनकी साहित्य साधना अपूर्व थी। कुछ
नय पहले मुझे एक सज्जन ने कलकत्ता
पत्र लिखा कि दिनकर को ज्ञानपीठ पु-
कार मिलना कितना उपयुक्त है ? मैंने
हैं उत्तर में लिखा था कि यदि चार
ज्ञानपीठ पुरस्कार उन्हें मिलते, तो उनका
मान होता- गद्य, पद्य, भाषणों और हिन्दी
वार के लिए। -हरिवंशराय बच्चन
उनकी राष्ट्रीयता चेतना और व्यापकता स-
कृतिक दृष्टि, उनकी वाणी का ओज और

त्विक मूल्यों का आग्रह उन्हें पारप्परिकते से जोड़े रखता है। -अंजेय
मारे क्रान्ति-युग का सम्पूर्ण प्रतिनिधित्व
विता में इस समय दिनकर कर रहा है।
निवादी को जिन-जिन हृदय-मंथनों से
नरना होता है,

24 सितंबर से रांची
हावड़ा वर्दे भारत
एक्सप्रेस का

परिचालन प्रारंभ होगा
विभूति धूषण भद्र झाड़ग्राम जिला
संवाददाता दैनिक समाज जागरण
रांची हावड़ा वर्दे भारत ट्रेन का
ट्रायल रन गुरुवार को संपन्न हो



गया परीक्षण के तौर पर वर्दे भारत एक्सप्रेस गुरुवार को दोपहर 12:30 बजे राज्यी से खुलार मुरी कोटशला पुरुलिया, बलरामपुर, टाटानगर, झाड़ग्राम, खड़गपुर होते हुए रात लगाम 10:10 बजे हावड़ा स्टेशन पहुंची। ट्रायल रन के तहत वर्दे भारत एक्सप्रेस झाड़ग्राम स्टेशन पहुंचने पर यात्रियों के चेहरे में उत्साह देखने लायक थी, कई लोगों को वर्दे भारत ट्रेन के साथ सेल्स लेते हुए देखे गए। रेल सुनेरों के अनुसार यह ट्रेन 24 सितंबर से अपनी यात्रा शुरू करेगी। रेलवे की ओर से दुग्धपूरा से पहले वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगत मिलने से लोगों में कफी खुशी है।

पंचायत सरकार भवन बेसरबाटी में आज जनसंवाद कार्यक्रम।

● राज्य के कल्याणकारी योजनाओं पर आमनन के मन्त्रव्य लेने जमा होगा निला प्राशासन।

दैनिक समाज जागरण संवाददाता, ठाकुरगंज (किशनगंज)

शनिवार, दिनांक 23 सितंबर 2023 को पंचायत सरकार भवन, ग्राम पंचायत बेसरबाटी, प्रखण्ड - ठाकुरगंज में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इस कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी, किशनगंज के नेतृत्व में जिला प्रशासन सहित स्थानीय प्रशासन का दल मौजूद रहेगा।

जिला प्रशासन, किशनगंज के सूचना व प्रशासन विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी अम जाने को सुलभ करने, उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करने, तथा लोक कल्याणकारी योजनाओं को स्थानीय अवश्यकताओं के अनुरूप और अधिक विस्तृत करने के संबंध में जनमानस के सुझावों को प्राप्त करने के तहेश से जन संवाद बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

राज्य सरकार के निर्णयालोक में सूचे के तमाम जिलों के प्रखण्डों में अलग-अलग तिथियों को विस्तृत स्थलों पर पंचायत सरकार भवनों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाना आम दृष्टि हुआ है।

इसी क्रम में किशनगंज जिला में इसकी शुरूआत कोवादामन प्रखण्ड

जिले में आयुष्मान भव: अभियान के तहत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पटलगाया गया गेला

-17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा सेवा परवाड़ा।

-जिलाधिकारी ने किशनगंज वासियों से गोल्डन ई. कार्ड बनाने की अपील की है।

गहल, दैनिक समाज जागरण किशनगंज जिले में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयुष्मान भव: अभियान के तहत 'सेवा परवाड़ा' का आयोजन किया जा रहा है। आयुष्मान में से कामान से लोगों को जिले के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और गांव और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं में स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में टेलीक्सलेटेसी, जांच, एनपीडी, परिवार नियोजन, नियमित टीकाकरण, पोषण एवं प्रसव पर्व जांच (एसएन) सहित 12 प्रकार की सुविधाएं दी जा रही हैं। सिविल सजन डॉ कौशल किशोर ने बताया कि परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार क्षेत्र में गवर्नरपूर्ण शूमिका गिरायी। आयुष्मान भव: अभियान स्वास्थ्य विभाग, अन्य सरकारी विभागों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों

हजार से अधिक ग्रामीणों को लाभ मिला है। एचडब्ल्यूसी और सीएचसी में आयुष्मान मेले तथा आयुष्मान सभा को आयोजन किया जा रहा है।

-प्रिविल सजन डॉ कौशल किशोर ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'सेवा परवाड़ा' चलेगा। वह पूरे राष्ट्र और समाज

में आयोजित होने वाले इन सेवों से स्वास्थ्य सेवाओं के कारब्रज को अधिकारम सेवाओं के लाभ मिला है।

आयुष्मान मेले के साथ सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत में आयुष्मान सेवाओं को जिले

के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, सामुद

